



राजस्थान सरकार



RSCERT Udaipur

इवामहल

(कोरोना समय में बच्चों का झरोखा)

17 जुलाई 2021: शनिवार: वर्ष - 2: अंक - 11

खटमल और
बेचारी जूँ

आज की कहानी

एक राजा के शयनकक्ष में एक जूँ ने डेरा डाल रखा था। वह मजे से राजा का खून चूसती और इत्मीनान से उसके बिस्तर में रहती। एक दिन उस कक्ष में खटमल आया और वहाँ रहने की इजाज़त मांगी। कहानी में आगे क्या हुआ होगा? इस मज़ेदार कहानी को सुनने के लिए किताब के चित्र पर क्लिक करें।

3 - 8 वर्ष के बच्चों के लिए | RSCERT UDAIPUR

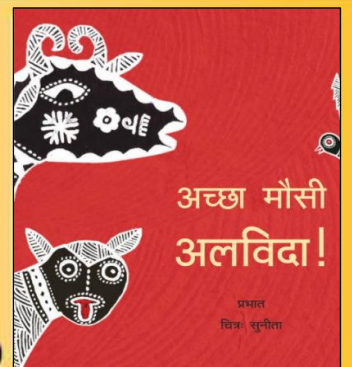


अच्छा मौसी
अलविदा

आज की कहानी

भैंस के गोबर में फंसी एक चिड़िया कैसे एक बिल्ली से अपनी जान बचाती है यह लोककथा इसी के ताने-बाने में बुनी गई है। माड़ की इस प्यारी सी लोक कथा को सुनने के लिए किताब के चित्र पर क्लिक करें।

8 - 14 वर्ष के बच्चों के लिए | एकलव्य-RSLPP

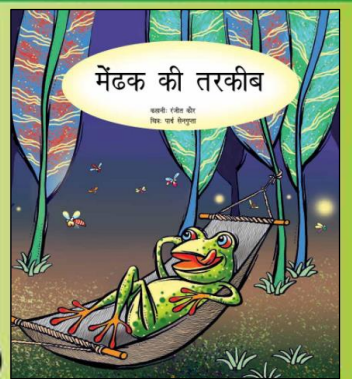


मेढक की तरकीब

आज की किताब

एक मेढक खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था। लेकिन उसे कहीं भी खाना नहीं मिल रहा था। रात में उसने एक जलती हुई मोमबत्ती देखी। वह उसके पास चला आया। वहाँ ढेर सारे कीट-पतंगे जमा थे। फिर क्या हुआ होगा? इस कहानी पढ़ने के लिए किताब के चित्र पर क्लिक करें।

6 - 14 वर्ष के बच्चों के लिए | रूम टू रीड



बाजा

आज की गतिविधि

जब आप इस संगीतमय खिलौने में फूँकते हैं तो यह बहुत तेज़ आवाज़ करता है - बिल्कुल तुरही की तरह। खिलौना बनाने के लिए आपको एक प्लास्टिक शंकु, पीवीसी पाइप का एक टुकड़ा, एक गुब्बारा और एक रबर बैंड चाहिए। इस गतिविधि का वीडियो देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6 - 14 वर्ष के बच्चों के लिए | अरविंद गुप्ता टॉयज़

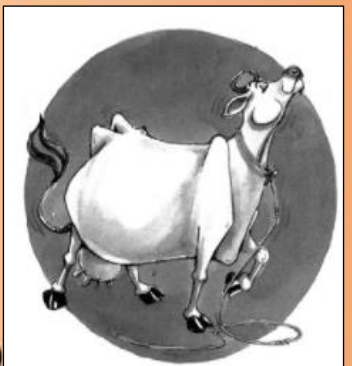


किताब उपलब्ध
करवा देना

टीचर्स कॉर्नर

बच्चों को बाल साहित्य उपलब्ध करवा भर देने से बच्चे पढ़ना नहीं सीख जाते, यह बात लेखक को तब समझ में आई जब वे एक स्कूल में गए जहाँ बच्चों के स्तर को ध्यान में रखते हुए पुस्तकें उपलब्ध करवाई गई थीं। ऐसी किताबें जो बच्चों के सन्दर्भ से जुड़े व भारी-भरकम न हों। अनुभव आधारित आलेख को पढ़ें।

शिक्षकों के लिए | संदर्भ पत्रिका



#घर में रहें

#आनन्द से पढ़ें

गांधी जी की
सफ़ाई

स्टोरी बॉक्स

ऑडियो कहानी सुनने के लिए स्टोरी
बॉक्स पर क्लिक करें।
(6-12 वर्ष के बच्चों के लिए | PEEL)

आज का अंक आपको कैसा लगा ?
अपने सुझावों से अवगत
कराने के लिए सुझाव पेटिका
के चित्र पर क्लिक करें।

‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ में असमिया लोकनृत्य की प्रस्तुति देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।